No. of Printed Pages : 7

BPYE-001

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (PHILOSOPHY) (BDP)

Term-End Examination

December, 2020

BPYE-001 : PHILOSOPHY OF RELIGION

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : (*i*) *Answer all the **five** questions.*

(*ii*) *All questions carry equal marks.*

(*iii*) *Answers to Question No. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Discuss religious language as sacred substance. 20

Or

Write a detailed essay on the 'Category of the Holy'.

2. Explain various attributes of God with a few arguments for each of them. 20

Or

Discuss how religious language is understood univocally and analogically.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each : 10 each

   (a) Discuss the complexities involved in defining religion.

   (b) Write a short essay on the psychological understanding of the origin of religion.

   (c) Discuss in detail Spinoza's position on the nature of God.

   (d) Explain William James' notion of religious experience.

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each : 5 each

   (a) What are the different varieties of Atheism ?

   (b) Discuss post-modern spirituality briefly.

   (c) What are the primary requisites for religions to enter and sustain genuine inter-religious dialogue ?

   (d) What is the teleological argument for the existence of God ?

(e) Are theological statements assertions of fact ?

(f) Can plurality be understood as a way of life ?

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each : 4 each

(a) Sui Generis

(b) Innate Idea of God

(c) Symbolic Presentation

(d) Culturalisation

(e) Analogy

(f) Mysticism

(g) Interfaith Dialogue

(h) Religious Antagonism

BPYE-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

(बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2020

बी.पी.वाई.ई.-001 : धर्मदर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न संख्या **1** और **2** में प्रत्येक का उत्तर लगभग **400** शब्दों में दीजिए।*

1. पवित्र द्रव्य के रूप में धार्मिक भाषा की विवेचना कीजिए। 20

अथवा

'पवित्र की श्रेणी' पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए।

2. ईश्वर के विभिन्न गुणों और उनके पक्ष में कुछ तर्कों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

धार्मिक भाषा कैसे एकार्थक एवं सादृश्यात्मक समझी जाती है, विवेचना कीजिए।

3. किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(क) धर्म को परिभाषित करने में आने वाली कठिनाइयों पर चर्चा कीजिए।

(ख) धर्म की उत्पत्ति सम्बन्धी मनोवैज्ञानिक समझ पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।

(ग) ईश्वर की प्रकृति के सम्बन्ध में स्पिनोजा की स्थिति की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

(घ) विलियम जेम्स की धार्मिक अनुभव सम्बन्धित अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

4. किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(क) निरीश्वरवाद के विभिन्न रूप कौन-से हैं?

(ख) उत्तर-आधुनिक आध्यात्मिकता पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

(ग) अन्त:धार्मिक संवाद को प्रारम्भ करने एवं चालू रखने के लिए धर्म में निहित प्राथमिक अनिवार्य गुण कौन-से हैं?

(घ) ईश्वर के अस्तित्व में प्रस्तुत उद्देश्यपरक तर्क क्या है?

(ङ) क्या धार्मिक कथन तथ्यात्मक कथन होते हैं?

(च) क्या बहुलता जीवन का एक ढंग हो सकती है?

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर (प्रत्येक) लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(क) सुई जेनेरिस

(ख) ईश्वर का आत्मसात प्रत्यय

(ग) प्रतीकात्मक प्रस्तुतीकरण

(घ) संस्कृतिकरण

(ङ) सादृश्यता

(च) रहस्यवाद

(छ) अन्तर-आस्था (अन्तःधर्म संवाद)

(ज) धार्मिक विरोध